

10/2019

गारीख
हुक्म



हुक्म या कार्यवाही अथ इतिहासिक जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुक्म
की तामील में जारी हुए

15.5.24

पत्रावली सुवादी मज वकील के सुप्रीम को
 वाले- पत्रावली शब्द पेडी तारीख में
 लेने बाधक पर पेडा ईई। काम ही सुप्रीम
 पर वाले- वाद पर विद्रोह करने कथन
 पेडा की गई। वकील पर वकील वादी की
 सहस सुनी गई। वाले बहल निवेदन कि
 कि विवादित कृषि के कवच में इतना
 सुकल वादी इला लामा गला भा। इति
 लोक अडालम की गावा के कुरिर इतर
 फुकापर के मजद विवाद अथ गरीं रहे हैं।
 इतना काला वादी अपना वाद पर आगे चला
 गरीं चाहता है। अतः वादी का वाद पर
 एक व आधीको को सुरक्षित रखते इत वाद
 विद्रोह कथना चाहते हैं। इत कारण पत्रावली
 शब्द पेडी तारीख पर ही आकर वाद-पत्र
 विद्रोह खारिज करमाया करें।

इन्हें वकील वादी की सहस सुनी को
 कल पर इतना पत्रापर वादा कि इतना
 सुकल में सुप्रीम के विद्रोह करमाया आधीको
 पारित हो रली हैं। वादी इतना सुकल
 को आगे चलाता गरीं चाहता है। पेडी इत
 में सुप्रीम का - पत्रावली पेडी तारीख पर
 बाधक रखकर कर पत्रावली शब्द पेडी
 तारीख पर ही चली है। तदुपरान्त सुप्रीम
 पर वाद-पत्र विद्रोह करने बाधक का विवेचन
 किमा को रल है। विलमें जाभा कि वादी
 इतना सुकल वाद-पत्र आगे चलाता गरीं चाहता
 है। पेडी कुरिर में वाद-पत्र को आगे चलाते
 की आधीको सुरक्षित गरीं होता है। लिहाजा सुप्रीम
 पर सुप्रीम की बाधक वादी की वाद-पत्र इति
 उल्लेख एक व आधीको को सुरक्षित रखते इत इतना
 इतना पर सुप्रीम किमा वादा है पत्रावली पेडी तारीख
 इतना पराधीन रखता है।


 अ.ति.
 पागाटा


सहीयक कलक्टर
(S.D.O.) बालोतरा